'परंपरागत कला और उद्योगों को किया जाए पुनर्जीवित'

अमर उजाला ब्यूरो

नवनीत सहगल ने की स्फूर्ति योजना की समीक्षा

लखनऊ। एसीएस, एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि स्फूर्ति योजना के तहत परंपरागत कला और उद्योगों को पुनर्जीवित किया जाए। पारंपरिक हस्तशिल्पियों और उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को जोड़कर क्लस्टर बनाया जाए। इसके लिए प्रत्येक जिले से पांच- पांच प्रस्ताव मंगाए जाएं। इस वर्ष स्फूर्ति योजना के तहत लगभग 100 सामान्य सुविधा केंद्रों (सीएफसी) के विकास की योजना है।

डॉ. सहगल ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से स्फूर्ति योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि हर जिले में आयुर्वेद, शहद, फूड प्रोसेसिंग, शहद, होजरी और आलू उत्पाद आदि के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग की बंद संस्थाओं को जोड़कर सीएफसी के नए प्रस्ताव तैयार कराए जाएं। उन्होंने कहा, योजना के अंतर्गत बोर्ड को कुल 40 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें पांच प्रस्ताव एमएसएमई, भारत सरकार को भेज दिए गए हैं। स्क्रीनिंग समिति की बैठक में चार प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया है, जिसे शीघ्र ही भारत सरकार को भेजा जाएगा। 10 जून को प्रत्येक जिले में ऋण वितरण मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अधिक से अधिक ऋण वितरण कराया जाए।